बाइबल की विलक्षणता

''बाइबल भी प्रेरणा से लिखी गई दूसरी बहुत सी किताबों में से एक है'' ऐसा वाक्य है जो पुस्तकों की इस पुस्तक की निन्दा के लिए इस्तेमाल किया जाता है। परन्तु, ऐसा कथन केवल उन लोगों को ही प्रभावित करता है जो खोज नहीं करते।

धर्म की अन्य पुस्तकें इतनी निम्न हैं कि उनके साथ इसकी तुलना के बजाय विषमता करना अधिक व्यावहारिक है। लोगों के जीवनों में प्रभाव और सामग्री के दृष्टिकोण से, अन्य धार्मिक पुस्तकों को बाइबल के समकक्ष नहीं रखा जा सकता। यदि आप रखना चाहें, तो अपनी मेज के बाईं ओर उनका ढेर लगा लें; परन्तु अपनी पवित्र बाइबल को, अकेले काफ़ी फासले से दाईं ओर रखें। कहते हैं कि मसीहियत और अन्य धर्मों का फासला, अनन्तता का फासला है।

हम देख चुके हैं कि कैसे बाइबल की छियासठ पुस्तकें एक ही उद्देश्य को पूरा करती हैं। लगभग चालीस लोगों द्वारा लिखे जाने के बावजूद, वे एक अद्‌भुत एकता को दिखाती हैं। इसकी तुलना में अन्य धर्मों की कथित सभी पवित्र पुस्तकें मिलकर स्पष्ट बात नहीं कह पाती हैं।

बाइबल की कहानी न केवल एक इकाई है, जो कि अच्छा संकेत है, बल्कि सैकड़ों बार बाइबल भविष्य के बारे में भविष्यवाणी करने का साहस करती है। स्पष्टतः, भविष्यवाणी के दायरे में सचमुच की प्रेरणा और झूठ मूठ की प्रेरणा में अन्तर को एकदम पहचाना जा सकता है। बाइबल को अन्य धर्मों की पुस्तकों से मिलाने वाले कभी भी दूसरी पुस्तकों की भविष्यवाणियों की बात नहीं करते, क्योंकि उनमें भविष्यवाणी है ही नहीं। परन्तु, हज़ारों वर्ष पूर्व की गई बाइबल की भविष्यवाणियां, आश्चर्यजनक ढंग से पूरी हुई हैं।

किसी कथित पवित्र पुस्तक से बाइबल की उत्तमता का एक और चिह्न शिक्षा का इसका स्तर है। पृष्ठ 82 से हिन्दू धर्म, बौद्ध धर्म, जापान के राजधर्म, ज़रतुश्त मत, कन्फ्यूशियस मत, इस्लाम और मसीही धर्म की महत्वपूर्ण शिक्षाओं का पता चलता है।

उच्च पिता

केवल बाइबल ही परमेश्वर को पवित्र, दयालु और दिलचस्पी लेने वाले पिता के रूप में दिखाती है। शब्द में हो या आत्मा में, केवल बाइबल में ही यूहन्ना 3:16 की बात है। बाइबल के धर्म को छोड़ कहीं भी, इससे चुराए गए धर्मों में भी, परमेश्वर की पूर्णता का सम्पूर्ण चित्र नहीं है।

केवल बाइबल में ही (और बाइबल के प्रभाव वाले धर्मों में) परमेश्वर को स्वतन्त्र व्यक्ति के रूप में दिखाया गया है। अन्य धार्मिक प्रबन्धों में सर्वोच्च ईश्वर के द्वारा भी अपनी शक्ति को अपने से कम ईश्वरों के बीच बांटते बताया जाता है। प्रत्येक धर्म एक उच्च सच्चाई की बात करता है, परन्तु केवल एक ही धर्म है जो उस व्यक्तिगत परमेश्वर अर्थात हमारे प्रेमी परमेश्वर में पाई जाने वाली सच्चाई के बारे में बताता है।

उच्च उद्धारकर्त्ता

केवल बाइबल ही एक नि:स्वार्थ बड़े भाई को अपने भाइयों के लिए अपना सब कुछ देने की बात करती है। प्रत्येक धर्म मनुष्य के निस्सहाय होने को दिखाता है, परन्तु एक ही धर्म है जो स्वर्गीय उद्धारकर्त्ता की बात बताता है। प्रसिद्ध धार्मिक नेताओं में, केवल एक ही है जिसने अपने आपको परमेश्वर होने का दावा किया।

एक उच्च जीवन

केवल बाइबल ही विश्वव्यापी भाइचारे, सब मनुष्यों के बहुमूल्य होने और सब मनुष्यों के उच्च पद को दिखाती है। यह मनुष्य के विनम्र परन्तु आशावादी चित्र दिखाती है। किसी और पुस्तक में एक शुद्ध और कृतघ्न पापी को नहीं दिखाया जाता जिसे पुत्र होने और पिता के साथ स्नेहपूर्ण आनन्द मिलता हो। हर एक धर्म में मनुष्य की निर्भरता दिखाई देती है, परन्तु केवल एक ही धर्म है जो परमेश्वर के साथ संगति प्रदान करता है।

बाइबल मानवीय जीवन का एक विलक्षण चित्र प्रस्तुत करती है जो सस्ता और निम्न दर्जे का नहीं है; केवल परमेश्वर का वचन ही जीवन को जीने के योग्य होने के रूप में प्रस्तुत करता है। यद्यपि अन्य धर्मों की कथित पवित्र पुस्तकों का बहुत प्रभाव है, परन्तु प्रभाव प्रभाव में भी बहुत अन्तर है। बाइबल का ऊपर उठाने वाला, भद्र बनाने वाला प्रभाव अन्य धर्मों द्वारा नहीं बनाया जाता। इच्छा, पवित्रता, प्रेम और जीवन के तत्व जो विशेष रूप से यहूदी और मसीही धर्म में पाए जाते हैं और जिनके फलस्वरूप जीवन नया हो जाता है, उन्हें किसी अन्य धर्म से अलग करते हैं। अन्य धर्म छुटकारा नहीं दिलाते, बल्कि व्यक्तिगत और सामाजिक नवजीवन में बाधा हैं। केवल बाइबल ही वास्तविक पवित्रता में परमेश्वर के प्रति व्यक्तिगत समर्पण को दिखाती है। यह आत्मिक अन्तरदृष्टि को भद्र बनाने में विलक्षण है। अन्य धर्मों में बुराई के बदले भलाई करने का सिद्धांत सिखाया जाता है, परन्तु कहीं भी बाइबल की मसीहियत की तरह नहीं सिखाया जाता। परमेश्वर के बारे में बाइबल का उच्च विचार नैतिक परिपेक्ष्यों को उचित संदर्भ में डालता और उन्हें मानने का अति प्रभावकारी

उद्देश्य देता है।

एक उच्च अनन्तकाल

केवल बाइबल ही कामुकता और वासना से ऊपर उठकर, आने वाले संसार में भरपूरी के जीवन की बात बताती है। इस जीवन के आनन्दों और कष्टों के आगे, केवल बाइबल ही न खत्म होने वाले आत्मिक आनन्द का चित्र बनाती है।

सारांश

मसीहियत अन्य धर्मों में पाई जाने वाली बुराइयों से स्वतन्त्र है, किसी भी धर्म में पाई जाने वाली हर भलाई इसमें है, और शेष सभी से बढ़कर उत्तमताएं हैं। मसीहियत की उत्तमता को पूरी तरह केवल अन्य धर्मों के साथ विषमता करने पर ही देखा जा सकता है। मसीहियत को अन्य धर्मों के साथ मिलाने पर हमेशा ही विपरीत प्रभाव मिलता है जो दिखाता है कि बाइबल की मसीहियत कितनी विलक्षण है। सारे संसार और अपने ही गुण पर किसी की परिपेक्ष्यता, इस पृथ्वी के जीवन और आने वाले जीवन में उसकी आत्मा पर मसीह की शक्ति से सदा-सदा के लिए बदल जाते हैं।

संसार के प्रमुख धर्मों की पुस्तकें व शिक्षाएं				
भविष्य की शिक्षा	मनुष्य की शिक्षा	ईश्वरीयता की शिक्षा	धार्मिक पुस्तक	धर्म
पुनर्जन्म	जाति प्रथा, भीख, तपस्या, तीर्थ यात्रा, आत्म हत्या, स्त्री की अधोगति	देवताओं में बुराई सर्वेश्वरवाद बहुदेववाद प्रकृति की पूजा	वेद	हिन्दू धर्म
निर्वाण	नैतिक चरित्र तप, आस्था क्षमा	ईश्वर में विश्वास	त्रिपितका	बौद्ध धर्म
कोई नहीं	कन्फ्यूशियस मत की नैतिकताएं विश्वास से चंगाई आत्म हत्या सम्राट की इच्छा	प्रकृति की पूजा पूर्वज पूजा सम्राट की पूजा	कोजिकी	जापान का राजधर्म (शिंतोइज़्म)
परलोक	घृणा युद्ध	बहुदेववाद द्वैतवाद	ज़ेंद-अवेस्ता	ज़रतुश्त मत (प्राचीन ईरानी धर्म)
कोई नहीं	नैतिकता	निरीश्वरवाद पूर्वज पूजा	राजा	कन्फ्यूशियस मत
पुरुष का कामुक स्वर्ग	युद्ध बहुपत्नीत्व घृणा स्त्री की अधोगति पाप से बचना असम्भव	कट्टर भाग्यवादी एकेश्वरवाद	कुरान	इस्लाम
आत्मिक स्वर्ग	उद्धार पुत्रत्व एक पतित्व/पत्नीत्व प्रेम व्यक्ति का महत्व आस्था, पवित्रता	परमेश्वर पिता एकेश्वरवाद	बाइबल	मसीही धर्म